III-235 ॐ

2

ओ३म्- वसीयतनामा बिना मालियत

SHARMA
LL.B., Advocate
Compound, Kutchery
Meerut (U.P.)
M.: 9837308823, 9897864876

मै कि जयप्रकाश अग्रवाल एण्ड सन्स (एच0यू0एफ0) द्वारा जय प्रकाश अग्रवाल पुत्र श्री बलवन्त सिंह निवासी 184 बी, आबूलैन मेरठ कैन्ट का हूँ :-

---

जो कि मेरी उम्र इस वक्त लगभग 82 वर्ष की हो गई है और इस क्षण भंगुर जीवन का कुछ भरोसा नही कि न जाने कब और कहाँ यह प्राण पखेरू इस नश्वर शरीर से प्रयाण कर जावे और मन की अभिलाषा मन मे ही रह जावे, मैं भूमि रकबई 0.7970 हैक्टेयर मध्ये खसरा नम्बर 340/3, 341/1 व 352/1 व 353/3 व 353/4, 341/2 व 342 व 343 व 344 व 354/2 व 352/1 व 355/1 व 356/1 स्थित ग्राम

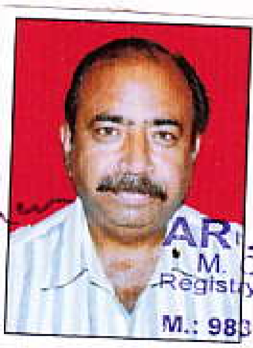

AR N SHARMA
M. C LL.B., Advocate
Registry Compound, Kutchery
Meerut (U.P.)
M.: 98 308823, 9897864876

ARJ SHARMA
M. Co LL.B., Advocate
Registry Compound, Kutchery
Meerut (U.P.)
M.: 9837 08823, 9897864876

जलालपुर सलारपुर तहसील व जिला मेरठ जिसका मै मुकिर विक्रय पत्र दिंनाक 01.08.2013 ई0 जिसकी रजिस्ट्री बही नम्बर 1 जिल्द 3568 के पृ0 343 से 380 में नम्बर 15855 को कार्यलय सब रजिस्ट्रार मेरठ प्रथम हुई इकरारी सुरेन्द्रपाल सिंह बनाम मुझ मुकिर द्वारा क्रयकर व्यक्तिगत स्वामी हूँ तथा राजस्व अभिलेखों फर्द, खसरा खतौनी मे मुझ मुकिर का नाम मालिक काबिज स्वामी दर्ज है और मैं अपनी उक्त भूमि की बाबत चाहता हूँ कि मेरी उक्त भूमि मेरी मृत्यु के पश्चात **मैसर्स एनी इन्फास्ट्रक्चर एल एल पी कार्यालय शाप नम्बर 2 ग्राउण्ड फ्लोर 107/1, 4, गौमत नगर, नई दिल्ली 49 द्वारा पार्टनर श्री अनुराग अग्रवाल व विशाल अग्रवाल पुत्रगण श्री डा0 हरिओम अग्रवाल निवासी 184 बी आबूलैन मेरठ कैन्ट** को मिले अन्य किसी को न मिले। अतः मैं स्वयं इच्छानुसार स्थिर बुद्वि व स्वस्थ इन्द्रियो की अवस्था में निम्न प्रकार वसीयत करता हूँ कि जिसका पालन करना सर्वसाधारण जनता तथ: तत्कालीन राज्य कर्मचारी वर्ग पर अनिवार्य होगा:–

1. यह कि जब तक मैं जीवित रहूंगा अपनी भूमि की पूर्ववतः मालिक रहूंगा।

2. यह कि मेरी मृत्यू के पश्चात मेरी छोडी हुई उक्त भूमि रकबई 0.7970 हैक्टेयर मध्ये खसरा नम्बर 340/3, 341/1 व 352/1 व 353/3 व 353/4 , 341/2 व 342 व 343 व 344 व 354/2 व 352/1 व 355/1 व 356/1 स्थित ग्राम जलालपुर सलारपुर तहसील व जिला मेरठ की स्वामिनी **मैसर्स एनी इन्फास्ट्रक्चर एल एल पी कार्यालय शाप नम्बर 2 ग्राउण्ड फ्लोर 107/1, 4, गौमत नगर, नई दिल्ली 49 द्वारा पार्टनर श्री अनुराग अग्रवाल व विशाल अग्रवाल पुत्रगण श्री डा0 हरिओम अग्रवाल निवासी 184 बी आबूलैन मेरठ कैन्ट** होगी तथा फर्म को उक्त भूमि के सम्बन्ध मे सर्वाधिकार प्राप्त रहेगें वह जिस प्रकार चाहे भूमि को इस्तेमाल करे,

ऋण ले, बन्धक रखे, लीज डीड, गिफ्ट डीड, विकय पत्र आदि द्वारा किसी भी प्रकार से ट्रांसफर करे, तथा उक्त वसीयत के आधार पर राजस्व अभिलेखो फर्द खसरा खतौनी मे फर्म का नाम बतौर मालिक काबिज स्वामी दर्ज करायें, किसी भी अन्य व्यक्ति को उसके अधिकारो में किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप करने का कोई अधिकार नही होगा।

3. यह कि उक्त भूमि की बाबत यह मेरी पहली व अन्तिम वसीयत है जिसे मैं रजिस्ट्री करा रहा हूँ जिसमें भविष्य में परिर्वतन करने का मेरा कोई इरादा नही है, मेरी यह वसीयत केवल उक्त भूमि के लिए है मेरी अन्य सम्पत्ति पर इस वसीयत का कोई प्रभाव नही पडेगा और मेरी अन्य किसी वसीयत का कोई प्रभाव उक्त वसीयत/सम्पत्ति पर नही पडेगा तथा मैं अपनी अन्य सम्पत्ति की बाबत अन्य वसीयत लिखूंगा और यदि मैं अपनी अन्य सम्पत्ति की अन्य वसीयत न लिखू तो मेरी मृत्यु के पश्चात मेरे उक्त भूमि के अलावा मेरी अन्य सम्पत्ति मेरे वारिसान को विरासत के आधार पर मिलेगी।

वसीयतनामा

प्रतिफल- 0 स्टाम्प शुल्क- 0 बाजारी मूल्य - 0 पंजीकरण शुल्क - 500 प्रतिलिपिकरण शुल्क - 60 योग : 560

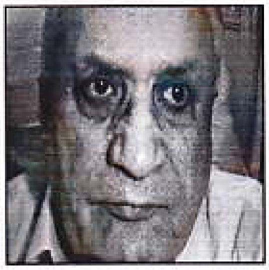

श्री जय प्रकाश अग्रवाल ,
पुत्र श्री बलवन्त सिंह
व्यवसाय : व्यापार
निवासी: 184 बी आबूलैन मेरठ कैन्ट कर्ता जय प्रकाश अग्रवाल एण्ड सन्स एच यू एफ

ने यह लेखपत्र इस कार्यालय में दिनाँक 04/05/2018 एवं 04:07:01 PM बजे निबंधन हेतु पेश किया।

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के हस्ताक्षर

राजेन्द्र कुमार त्यागी (प्रभारी)
उप निबंधक :सदर द्वितीय
मेरठ

4. यह कि यदि मेरी इस वसीयत के विरूद्व मेरे किसी सम्बन्धी सहभागी या अन्य किसी व्यक्ति ने किसी प्रकार का कोई वाद विवाद प्रस्तुत किया तो वह इस वसीयत की अपेक्षा व्यर्थ निष्प्रभाव व अमान्य होगा ओर यह वसीयत पूर्ण व उचित व मान्य होगी। अतः यह वसीयतनामा बिना मालियत स्वयम इच्छानुसार स्थिर बुद्धि व स्वंस्थ इंद्रियों कि अवस्था में लिख दिया कि प्रमाणित तथा उपयोगी हो। इति।

मै धोषणा करता हूँ कि मैंने इस वसीयत को पढकर व समझकर गवाहान हाशिये के समक्ष अपने हस्ताक्षर व निशानी अंगूठा किये है तथा गवाहान हाशिये ने अपने–अपने हस्ताक्षर मेरे समक्ष किये

निष्पादन लेखपत्र वाद सुनने व समझने मजमुन व प्राप्त धनराशि रु प्रलेखानुसार उक्त वसीयत कर्ता: 1

श्री जय प्रकाश अग्रवाल, पुत्र श्री बलवन्त सिंह

निवासी: 184 बी आबूलैन मेरठ कैन्ट कर्ता जय प्रकाश अग्रवाल एण्ड सन्स एच यू एफ

व्यवसाय: व्यापार

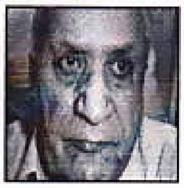

ने निष्पादन स्वीकार किया। जिनकी पहचान
पहचानकर्ता : 1

श्री राकेश मदान , पुत्र श्री ओम प्रकाश मदान

निवासी: 661/6 शास्त्रीनगर, मेरठ शहर

व्यवसाय: अन्य

पहचानकर्ता : 2

श्री प्रदीप सैनी, पुत्र श्री शान्ति प्रसाद सैनी

निवासी: 12 वैशाली कालोनी मेरठ

व्यवसाय: अन्य

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के हस्ताक्षर

ने की। प्रत्यक्षत:भद्र साक्षियों के निशान अंगूठे नियमानुसार लिए गए है।
टिप्पणी :

राजेन्द्र कुमार त्यागी (प्रभारी)
उप निबंधक : सदर द्वितीय
मेरठ

उप नि० द्वितीय

है। अर्थात मैने व गवाहान हाशिये ने एक दूसरे की मौजूदगी मे एक दूसरे के समक्ष अपने अपने हस्ताक्षर व निशानी अंगूठा स्वेच्छा से पढकर व समझकर बिना किसी दबाव व बहकाव के किये है।

Madan
HI Rakesh Madan
S/o Late Shri Om Prakash Madan
661/6 Shastri Nagar
Meerut
9897533504

HI Pradeep Sahni S/o S.P. Sahni
Indraprastha Colony Meerut
9837073444

लिखित दिनांक 09.05.2018 मसविदा व फोटो सत्यापान श्री अरूण शर्मा एडवोकेट मेरठ।।

ARUN SHARMA
M.Com, LL.B., Advocate
Registry Compound, Kutchery
Meerut (U.P.)
M.: 9837308823, 9897864876
4.5.18

बही संख्या 3 जिल्द संख्या 336 के पृष्ठ 239 से 250 तक क्रमांक 235 पर दिनाँक 04/05/2018 को रजिस्ट्रीकृत किया गया ।

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के हस्ताक्षर

राजेन्द्र कुमार त्यागी (प्रभारी)
उप निबंधक : सदर द्वितीय
मेरठ